LIBRARY

School of Planning And Architecture ,Bhopal

S.No.52 (May 2025)

पत्रिका पेज नं. 7 10/05/2025

मैनिट, एसपीए और बीयू ने बनाई कार्ययोजना, अनियोजित विकास से खतरे में है झीलों के शहर की पहचान

तालाब और धरोहर को सहेजेंगे तीन संस्थान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. शहर के अनियोजित विकास से झीलों के शहर की पहचान खतरे में है। अनधिकृत कॉलोनियों और जगह-जगह निर्माणाधीन ने शहर की सुंदरता बिगाड़ दी है। अतिक्रमण से तालाबों पर संकट है। इस समस्या से निपटने के लिए मैनिट, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) और बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के विशेषज्ञों ने शहर को स्वस्थ, सुगम और सुंदर बनाने के लिए एक विस्तृत रोट तैयार की है। इसमें तालाबों की हत सुधार, धरोहरों का संरक्षण और र की स्वच्छता शामिल है।

पत्रिका स्पॉट लाइट

एसपीए के अध्ययन से स्वच्छ होगा शहर

एसपीए भोपाल के डॉ. गौरव वैद्य और प्रो. एनआर मंडल ने 'सर्विस डिलीवरी परफॉरमेंस फॉर अर्बन सेनिटेशन इन इंडिया, ए फ्रेमवर्क एनालिसिस' शीर्षक से रिसर्च पेपर लिखा है। इसमें अनेक देशों के स्वच्छता के मूल्यांकन ढांचों का अध्ययन है। जिसमें पाया कि वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली अपर्याप्त है। यह शोध पत्र 'सर्वश्रेष्ठ शोध कार्यों का संग्रह' में शामिल है। इसमें शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के तरीके बताए गए हैं। इसमें बताए उपायों से भोपाल सर्वे में अच्छी रैंक हासिल कर सकता है।

मैनिट के रिसर्च से संरक्षित होंगी धरोहरें

मैनिट भोपाल के वास्तुकला एवं योजना विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जगदीश सिंह के समन्वय और इंटैक भोपाल चैप्टर के सहयोग से 1809-1816 में निर्मित ऐतिहासिक बड़ा बाग स्थित मकबरों और बावड़ी के संरक्षण का कार्य हो रहा है। बावड़ी के उत्कृष्ट मेहराब और स्तंभों वाली कोलोनैड संरचनाएं सामने आई हैं। मैनिट के शोध से शहर की पहचान बनेगी और सुंदरता और आकर्षण पर काम हो सकेगा।

बीयू का शोध सुधारेगा ताला: बीयू के प्रो. विपिन व्यास ने नर्मदा नदी का 'हेल्थ कार्ड' बनाया है। इसमें तालाबों के पानी की सेहत से लेकर प्राकृतिक स्वरूप और पर्यावरणीय संतुलन में उसकी क्षमता का आकलन किया जा सकता है। टिड्डों और विभिन्न प्रजाति की मछलियों से वाटर बॉडी के स्वस्थ और स्वच्छता का पता किया जा सकता है। शोधों से पता चलता है कि शहर के कई तालाबों का स्वस्थ दिन पर दिन खराब हो रहा है।

मैनिट कर रहा इन विषयों पर भी काम: परिवहन नियोजन, यातायात इंजीनियरिंग, फुटपाथ प्रौद्योगिकी, भूमि उपयोग और परिवहन,यात्रा व्यवहार विश्लेषण, यात्रा मांग पूर्वानुमान,शहरी गतिशीलता, फुटपाथों में भू-सिंथेटिक्स, पुलों और पुलियों का निर्माण और रखरखाव, परिवहन अर्थशास्त्र और नीति परिवहन में एआइ, बिग डेटा और जीआईएस।